स्वतंत्रता दिवस संबोधन (15-08-2024)

डी.के.शुक्ला

अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

मेरे प्रिय साथियों,

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, मैं मुख्यालय स्थित एईआरबी के अपने सभी सहयोगियों, संरक्षा अनुसंधान संस्थान-कल्पाक्कम, क्षेत्रीय नियामक केंद्रों, एसओटी और विभिन्न साइटों पर तैनात ऑन जॉब प्रशिक्षुओं, ऑक्जिलियरी और सहायक कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों, कैंटीन स्टाफ और वे सभी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एईआरबी के कामकाज से जुड़े हुए हैं, सभी को शुभकामनाएं देता हूं। आज़ादी कुछ नामित और कई अनामित असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता और बलिदान से प्राप्त हुई है। मैं उन सभी शहीदों को नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ तथा भारत की जल, थल एवं नभ सीमाओं की रक्षा में लगे सभी जवानों को भी शुभकामनाएँ देता हूँ।

परंपरा के अनुसार, हम हर साल इस पवित्र अवसर पर पिछले वर्ष की उपलब्धियों का उत्सव मनाने और भविष्य के कार्यक्रमों के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं का संकल्प करने के लिए इकट्ठा होते हैं। उपलब्धियां जगजाहिर हैं, इसलिए मेरा संबोधन भविष्य के कार्यों पर केंद्रित होगा।

इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस समारोह की थीम विकसित भारत है। सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, इस वर्ष की थीम स्वतंत्रता की शताब्दी को चिह्नित करते हुए, 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा पर जोर देती है।

विकास के लिए प्रमुख संकेतकों में से एक मानव विकास सूचकांक है। प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत भी विकास का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। इसलिए, दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा प्राप्त करना सरकार के उच्च प्राथमिकता वाले लक्ष्यों में से एक है। परमाणु बिजली को देश के बिजली मिश्रण में एक महत्वपूर्ण धारक के रूप में मान्यता दी गई है। पिछले कुछ वर्षों में, परमाणु बिजली को भारत के बिजली उत्पादन पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण घटक बनाने पर काफी जोर दिया गया है। यह कार्यनीतिक बदलाव विभिन्न सरकारी घोषणाओं जैसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी, संयुक्त उद्यम, भारत लघु रिएक्टर और बीएसएमआर आदि के माध्यम से स्पष्ट है।

मित्रों, हमने पिछले वर्ष एईआरबी की गौरवशाली यात्रा के चार दशकों का स्मरण करते हुए इसकी रूबी जयंती मनाई थी। एईआरबी ने 41वें वर्ष की परिवर्तनकारी यात्रा को 'संक्रांति काल' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। भविष्य की तैयारी के लिए गहन स्टाफ इंटरैक्शन (यानी "मंथन" की प्रक्रिया) के माध्यम से आत्मनिरीक्षण, पूर्वनिरीक्षण की गतिविधियों का पूरे वर्ष के दौरान संचालन करके इस काल को मनाया जा रहा है। संयुक्त उद्यमों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से मौजूदा और विकासोन्मुख प्रौद्योगिकियों के मिश्रण को तैनात करके परमाणु बिजली कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर विस्तारित करने की

राष्ट्रीय योजनाओं द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए यह "मंथन" प्रक्रिया महत्वपूर्ण हो जाती है। "मंथन" प्रक्रिया के माध्यम से पहले ही बहुत कुछ किया जा चुका है। आगे भी मंथन जारी रहेगा और अच्छी तरह से प्रलेखित "आगे बढ़ने का रास्ता" तैयार करने में परिणत होगा जो इस वर्ष एईआरबी के गठन दिवस की पूर्व संध्या पर जारी होने वाली पुस्तक का हिस्सा होगा।

मैं मुख्य फोकस क्षेत्रों पर कुछ प्रकाश डालना चाहता हूं, जो एईआरबी के भविष्य की तैयारी की स्थिति में परिवर्तन की दिशा में "मंथन" के लिए केंद्र में हैं :

1. संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना और कर्मचारियों को उनके साथ जोड़ना प्रमुख कारक है। इस कारण से, एईआरबी ने स्लाइडिंग टाइम स्केल पर लक्ष्य निर्धारित करने के लिए सहभागी प्रक्रिया अपनाई है, जिसमें से वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं।
2. अगला फोकस क्षेत्र निर्णय लेने में कर्मचारियों की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करके कर्मचारी सहभागिता को बढ़ाना है।
3. इस तथ्य के आलोक में "एक सही संगठन" की अवधारणा अब मान्य नहीं है, एईआरबी में निर्णय लेने की संरचना और संगठन पुनर्गठन में सुधार करना होगा। "विकेंद्रीकरण" के सिद्धांत के साथ, "टीम" को एक सही संगठन माना जाता है।
4. आंतरिक समीक्षा पर जोर, संरक्षा समितियों की संख्या को अनुकूलित करने और उनकी भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करने, विनियामक हस्तक्षेपों को अनुकूलित करने और श्रेणीबद्ध दृष्टिकोण के आधार पर समीक्षा स्तरों के निर्धारण के साथ एईआरबी की कार्यप्रणाली में सुधार करना।

उपरोक्त चार बिंदुओं को कवर करते हुए "एईआरबी की समग्र कार्यप्रणाली" और "कार्यकारी समिति की पृष्ठभूमि और एईआरबी संगठन संरचना" पर लेख "मंथन" प्रक्रिया से गुजरे हैं। संबंधित प्रभागों द्वारा कार्यान्वयन योजना तैयार करने के लिए एक संकलित अंतिम परिणाम परिचालित किया गया है। सभी कर्मचारियों की भागीदारी के साथ एईआरबी में एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) का संशोधन पहले ही आरंभ किया जा चुका है और आईएमएस के विभिन्न स्तरों को विकसित करते समय "मंथन" प्रक्रिया के परिणाम को उचित रूप से ध्यान में रखा जाएगा। आईएमएस में प्रस्तावित प्रमुख परिवर्तनों में से एक प्रबंधन कार्यों और प्रक्रियाओं की पहचान करना और उस पर ध्यान देना है, जिस पर पहले स्पष्ट रूप से ध्यान नहीं दिया गया था।

5. इस वर्ष संरक्षा अनुसंधान संस्थान (एसआरआई), कल्पाक्कम के रजत जयंती समारोह के दौरान, एसआरआई के कामकाज के लिए संरक्षा अनुसंधान कार्यनीति और दिशानिर्देशों को नया रूप देने के लिए रोड-मैप तैयार करने के लिए "मंथन" आयोजित किया गया था।

एईआरबी ने संरक्षा अनुसंधान के लिए एक शीर्ष स्तरीय सलाहकार समिति (एसी-एसआर) का गठन किया है, जिसमें संरक्षा अनुसंधान और अनुसंधान करने के तरीके से संबंधित मामलों पर सलाह देने के लिए विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। एसी-एसआर से समीक्षा इनपुट के साथ कार्यनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा।

6. आने वाले दिनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल बहुत बड़े पैमाने पर होने वाला है। एईआरबी को भविष्य में इसके विनियमन के लिए शीघ्रता से तैयार होने के लिए इस तकनीक के साथ खुद को अपडेट रखने की जरूरत है। विनियामक गतिविधियों में एआई के उपयोग का भी पता लगाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों पर विचार-मंथन करने के लिए एईआरबी के भीतर पहले से ही यह विचार रखा गया है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि एईआरबी का काम उपकरणों के आसपास केंद्रित नहीं होना चाहिए बल्कि उपकरण एईआरबी के काम के आसपास केंद्रित होने चाहिए।

   एईआरबी की सोशल मीडिया नीति पर काम अच्छी प्रगति पर है। इसके अलावा, विभिन्न प्रकार के स्टैकहोल्डरों के साथ उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप खुले और पारदर्शी तरीके से जुड़ने के लिए एक संरचित कार्यनीति विकसित की जा रही है। इस तरह की संलग्नताओं का उद्देश्य जानकारी प्रदान करने, विकिरण साक्षरता बढ़ाने के प्रति जागरूकता फैलाने से लेकर परामर्श और प्रतिक्रिया संग्रह जैसी अधिक सम्मिलित बातचीत हो सकते हैं।

7. क्षेत्रीय नियामक केंद्रों (आरआरसी) के विस्तार के लिए रोडमैप पर भी काम किया जा रहा है। एक बार केंद्रीकृत रिकॉर्ड और सूचना प्रणाली चालू हो जाने के बाद, चरणबद्ध तरीके से आरआरसी के कार्य क्षेत्र का उत्तरोत्तर विस्तार करने के लिए इस तक सुरक्षित पहुंच प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, निवासी साइट पर्यवेक्षक टीमों का प्रभावी उपयोग भी एक फोकस क्षेत्र है।

8. समग्र मानव संसाधन नीति और योजना के विकास पर जोर दिया जा रहा है। विविध नियामक गतिविधियों को निष्पादित करने के लिए विभिन्न प्रकार की दक्षताओं/कौशल सेटों की आवश्यकता होती है। मानव संसाधन विकास कार्यक्रम को निम्नलिखित विचारों के साथ तैयार किया जा रहा है: (ए) नियमित गतिविधियों को पूरा करने के लिए अपने सभी कर्मचारियों की क्षमता का 'बुनियादी' स्तर। (बी) ज्ञान, कौशल और योग्यता के आधार पर विशिष्ट कर्मचारियों के लिए योग्यता का 'विशेष' स्तर। (सी) विभिन्न प्रदर्शन और संभावित भावी लीडरों की पहचान के लिए आरआरसी, एसओटी और मुख्यालय के भीतर भी अधिकारियों का रोटेशन (डी) एईआरबी में उपलब्ध विशेषज्ञता से परे आवश्यकताओं के लिए, टीएसओ, शैक्षणिक संस्थानों से समर्थन प्राप्त करने की व्यवस्था। उत्तरोत्तर, एईआरबी के भीतर ही ऐसे क्षेत्रों में दक्षता हासिल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे ताकि बाहरी समर्थन पर निर्भरता यथासंभव कम हो सके।

मानव संसाधन योजना के साथ तकनीकी उत्कृष्टता टीम के काम के एकीकरण पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए एक इंटरैक्टिव मंथन सत्र आयोजित किया गया था।

9. एईआरबी के नियामक दस्तावेज़ इसकी नियामक गतिविधियों के लिए मुख्य आधार हैं। प्रौद्योगिकी के साथ – साथ नियमों के समवर्ती विकास के कारण, एईआरबी के नियम अनचाहे में प्रौद्योगिकी केंद्रित होने के साथ-साथ इकाई केंद्रित भी हो गए। परमाणु क्षेत्र के विकासोन्मुख परिदृश्य को देखते हुए, एईआरबी ने पहले से ही आत्मनिरीक्षण शुरू कर दिया है और नियमों के विकास/संशोधन के लिए एक कार्यनीति और दृष्टिकोण विकसित करने के लिए "मंथन" चर्चाओं की एक श्रृंखला आयोजित की है, ताकि उन्हें, जहां तक संभव हो, प्रौद्योगिकी तटस्थ, स्वतंत्र अस्तित्व, गैर-निर्देशात्मक और फिर भी कानूनी ढांचे के साथ अच्छी तरह से संरेखित बनाया जा सके। इसके अलावा, नियमों में सुधार के लिए संबंधित स्टैकहोल्डरों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए संरचित कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं।

   एईआरबी ने पहले ही परमाणु और विकिरण फैसिलिटियों के लाइसेंस में कानूनी ढांचे की जटिलताओं और उनके निराकरण करने के तरीके की पहचान कर ली है। पेशेवर कानूनी विशेषज्ञों द्वारा मामले की आगे जांच की जा रही है। एईआरबी ने स्थिरता और सुसंगतता प्राप्त करने के लिए विशिष्ट बैचों में दस्तावेजों का संशोधन करने का भी निर्णय लिया है। इस दिशा में पहले बैच के लिए महत्वपूर्ण प्रगति हो चुकी है जिसमें सहमति प्रक्रिया, साइट मूल्यांकन और आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया से संबंधित नियामक दस्तावेज शामिल हैं।

प्रिय साथियों, मैं इन सभी फोकस क्षेत्रों पर आपके विचारों का उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं ताकि एईआरबी को भविष्य के लिए तैयार किया जा सके।

मित्रों, एईआरबी इस नवंबर में 41 वर्ष पूरे करने की ओर अग्रसर है, जो किसी संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ऊर्जा से भरपूर, परिपक्वता से प्रेरित होकर, एईआरबी उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए तैयार है। इस शुभ दिन पर आइए हम एईआरबी के विकास और सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें। इन विचारों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और एक बार फिर सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिंद।